

11.6.25 का पृष्ठ. ६ / ११

11.6.25

पापवी पेन्सि में जी गई। सब आयुष्य  
 पूर्व में खुशी का खुशी ही काफ़ प्य  
 इसी किमा जाना है, विस्मय निरुपि  
 अन्ना से लिखवाया जानर झाभिय  
 पापवी किमा गया। तर्फी इसी  
 जारी है। पापवी फैसल खुशार कर  
 ज़ोर से काश की जानर कोलय  
 कपूर की जानि है

सहस्रक कलक्टर  
 एवं उपखण्डाधिकारी  
 हनुमानगढ़